स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

सत्रांत परीक्षा, 1 सेमेस्टर 2014–15 (जुलाई 2015)

ए ई एम– 205 : कृषि में टिकाऊ आजीविका (3 क्रेडिट)

अधिकतमअंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समानहै।

1. टिकाऊ खेती क्या है? टिकाऊ खेती के कारकों को स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (सभी प्रश्नों का अंक समान है):
   (क) कीट–नियंत्रण की यांत्रिक विधि
   (ख) पर्यावरण–प्रदूषण
   (ग) समेकित पोषण प्रबंधन एवं इसके उद्देश्य
   (घ) जैविक खेती के स्रोत
   (ङ) कृषि–वानिकी प्रणाली
   (च) अंतरवर्ती फसल–क्रिया और मिश्रित खेती

3. फसलों की सिंचाई–तालिका तैयार करने के लिए पौध–मापदण्ड पर चर्चा कीजिए। मृदा एवं जल–लवणता की परिस्थितियों में फसल–उत्पादन की क्रियाओं का सुझाव दीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) पिंजरे में फिन मछलियों का पालन
   (ख) उत्प्रेरित प्रजनन
   (ग) मछली फार्म का अभिकलन एवं निर्माण
   (घ) संवर्धन के लिए अभ्यर्थी प्रजातियों के चयन का मापदण्ड
   (ङ) मछली एवं झींगों का धुँधाना
   (च) मात्स्यिकी के क्षेत्र में डाटाबेस और भौगोलिक सूचना प्रणाली का महत्व

5. भारत में समुद्री मात्स्यिकी के टिकाऊ विकास के विभिन्न विकल्पों पर चर्चा कीजिए।

6. भारत में समुद्री मात्स्यिकी की स्थिति को स्पष्ट कीजिए। भारतीय मात्स्यिकी की टिकाऊपन पर चर्चा कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   (क) मिश्रित खेती के विभिन्न प्रकार
   (ख) पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग–प्रबंधन में जैव–सुरक्षा प्रबंधन का महत्व
   (ग) बछड़ों के लिए पोषकतत्वों की आवश्यकता
   (घ) टिकाऊ पशुधन उत्पादन के लिए पशुधन के अपशिष्टों का प्रबंधन
   (ङ) दुधारू पशुओं के लिए पानी की आवश्यकता
   (च) पशुओं के उत्पादन में जैवप्रौद्योगिकी का प्रयोग

8. चारा–संसाधनों की विभिन्न श्रेणियों का उल्लेख कीजिए। कृषि–उद्योग एवं गैर परंपरागत चारा संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

9. टिकाऊ ग्रामीण आजीविका–सुरक्षा में पशुधन के कार्य पर चर्चा कीजिए।

* * * * *

January, 2015

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)
द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं
पूरक परीक्षा– 2007–08 से 2012–13 तक
ए ई एम– 205 : कृषि में टिकाऊ आजीविका (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) केंचुआ खाद
   (ख) जलागम
   (ग) समेकित पोषण प्रबंधन
   (घ) जैविक खाद प्रक्षेत्र एवं बाह्य–प्रक्षेत्र स्रोत
   (ङ) जैविक खाद एवं उनके लाभ
   (च) जलाक्रांति के कारण एवं उसके हानिकारक प्रभाव

2. 'मिश्रित खेती' शब्द से आप क्या समझते हैं तथा मिश्रित खेती के मुख्य प्रकारों का उल्लेख कीजिए। किसी एक मिश्रित खेती को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

3. फसल–उत्पादकता पर मुख्य पर्यावरणीय प्रदूषण के संभावी प्रभावों को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) झींगा–पालन की कृषि–प्रणालियों के प्रकार
   (ख) फिन मछलियों को पिंजरे में पालने के लाभ एवं नुकसान
   (ग) भारतीय समुद्री मात्स्यिकी के टिकाऊ विकास की चिंताएँ
   (घ) मात्स्यिकी एवं मछली–पालन के विकास एवंप्रबंधन के उद्देश्य
   (ङ) मात्स्यिकी के प्रमुख उपोत्पाद
   (च) समुद्री मात्स्यिकी प्रबंधन में उत्पादक सामग्री और उत्पादन–नियंत्रण

5. मत्स्य–बीजोत्पादन का क्या मतलब है? समेकित मछली–पालन का वर्णन कीजिए।

6. मत्स्य पैदावार उपरांत तकनीकी को स्पष्ट कीजिए तथा प्रमुख मात्स्यिकी उपोत्पादों का उल्लेख कीजिए। किसी एक मात्स्यिकी उपोत्पाद का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

   (क) टिकाऊ पशुधन–विकास को बढ़ावा देने के लिए देशी तकनीकी ज्ञान के गुण और दोष
   (ख) टिकाऊ ग्रामीण आजीविका की सुरक्षा में पशुधन के आऊटपुट और इनपुट कार्य
   (ग) बछड़ों के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता
   (घ) उत्पादन–प्रणाली में रोगवाहकों के नियंत्रण के लिए पशुधन के अपशिष्टों का प्रबंधन
   (ङ) पशु–उत्पादन में जैव प्रौद्योगिकी का प्रयोग
   (च) पशुधन के संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण की विधियाँ

8. परंपरागत एवं गैर–पारंपरिक चारा संसाधनों का उल्लेख कीजिए। गैर–पारंपरिक चारा संसाधनों के उपयोग में आनेवाली बाधाओं पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

9. राशन के वाँछित लक्षणों का उल्लेख कीजिए। निम्नलिखित में किसी एक पर संक्षेप में चर्चा कीजिए:

   अ) भरण–पोषण राशन
   आ) गर्भवस्था के समय अतिरिक्तराशन
   इ) दूध–उत्पादन के लिए अतिरिक्तराशन

* * * * *

December, 2014

स्नातकोत्तरकृषिविस्तारप्रबंधनडिप्लोमा (पी जीडी एई एम)
द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांतपरीक्षा एवं
पूरकपरीक्षा– 2007–08 से 2012–13 तक
ए ई एम– 205 : कृषिमेंटिकाऊआजीविका (3 क्रेडिट)

अधिकतमअंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हींपाँचप्रश्नोंकाउत्तरलिखिए।सभीप्रश्नोंकाअंकसमानहै।

1. निम्नलिखितमेंसेकिन्हीं**चार**परसंक्षिप्तटिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) जैविक खादोंकाप्रक्षेत्र एवंप्रक्षेत्रेतरस्रोत
   (ख) कृषि–वनसंवर्धनऔरवन–चारागाहीप्रणालियाँ
   (ग) जैव–उर्वरक एवं उनके लाभ
   (घ)जला–क्रान्ति के कारण एवं उनके हानिकारकप्रभाव
   (ङ) सिंचाईनियतकरने के लिए पौध–मानक
   (च) फसल–प्रणालियाँ

2. जैविककीट–नियंत्रण के विभिन्नसंघटकोंकासंक्षिप्तवर्णनकीजिए।

3. फसल–उत्पादकतापरमुख्य पर्यावरणीय प्रदूषण के संभावीप्रभावोंकोविस्तारसेस्पष्टकीजिए।

4. निम्नलिखितमेंसेकिन्हीं**चार**परसंक्षिप्तटिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) झींगा–पालन की कृषि–प्रणालियों के प्रकार
   (ख) फिनमछलियोंकोपिंजरेमेंपालने के लाभ एवंनुकसान
   (ग) भारतीय समुद्रीमात्स्यिकी के टिकाऊविकास की चिंताएँ
   (घ)मात्स्यिकी एवंमछली–पालन के विकास एवंप्रबंधन के उद्देश्य
   (ङ) मात्स्यिकी के प्रमुख उपोत्पाद
   (च) समुद्रीमात्स्यिकीप्रबंधनमेंउत्पादकसामग्रीऔरउत्पादन–नियंत्रण

5. निश्चलतालाबोंमेंकार्पमछली के अधिकउत्पादन के लिए तालाब–प्रबंधनकावर्णनकीजिए।

6. मूल्य–संवर्धनसेआपक्या समझतेहैं? मछलीऔरमछलियों के उत्पादोंकामूल्य–संवर्धनकैसेकियाजाए और ये कैसेलाभकारीहैं?

7. निम्नलिखितमेंसेकिन्हीं**चार**परसंक्षिप्तटिप्पणियाँ लिखिए:
   (क) टिकाऊपशुधन–विकासको बढ़ावादेने के लिए देशीतकनीकीज्ञान के गुणऔरदोष
   (ख) टिकाऊग्रामीणआजीविका की सुरक्षामेंपशुधन के उत्पादनऔरउत्पादकसामग्री के कार्य
   (ग) मिश्रितकृषि–प्रणालियाँ
   (घ)उत्पादन–प्रणालीमेंरोगवाहकों के नियंत्रण के लिए पशुधन के अपशिष्टोंकाप्रबंधन
   (ङ) पशु–उत्पादनमेंजैवप्रौद्योगिकीकाप्रयोग
   (च) पशुधन के संक्रामकबीमारियों की रोकथामऔरनियंत्रण की विधियाँ

8. परंपरागत एवंगैर–पारंपरिकचारासंसाधनोंकाउल्लेख कीजिए।गैर–पारंपरिकचारासंसाधनों के उपयोगमेंआनेवालीबाधाओंपर संक्षेपमेंचर्चाकीजिए।

* * * * *

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)
परीक्षा – जुलाई, 2014

पाठ्यक्रम – 205 : कृषि में टिकाऊ आजीविका (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं**पाँच** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. भारतीय संदर्भ में टिकाऊ खेती का अत्यंत महत्व है। विकास अधिकारी के रूप में टिकाऊ खेती के अंगों का संक्षेप में वर्णन कीजिए तथा कृषि में टिकाऊपन प्राप्त करने के लिए कृषि प्रणाली अवधारणा के योगदान का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।

2. निम्नलिखित में किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) बहुआयामी कृषि–वानिकी प्रणाली
   (ख) जैविक खाद/अपशिष्ट पुनःचक्रण की विधि
   (ग) फसलों में सिंचाई के निर्धारण का मापदण्ड
   (घ) टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा में पशुधन के कार्य
   (ङ) बछड़ों की पोषक–आवश्यकता
   (च) धान–मुर्गी–मछली पालन

3. समेकित कीट प्रबंधन से क्या तात्पर्य हैं? कीटों के जैविक नियंत्रण पर ज़ोर देते हुए समेकित कीट प्रबंधन के अंगों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. पर्यावरण प्रदूषण को रोकने हेतु टिकाऊ कृषि के लिए जैव–विविधता के महत्व/आवश्यकता पर आपकी राय उदाहरण सहित समझाइए।

5. फसल–पशुधन पारस्परिक क्रिया से आप क्या समझते हैं? मिश्रित खेती के प्रकारों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) पशुधन चारा संसाधन
   (ख) ताज़ा जलीय झींगा पालन
   (ग) मछलियों को नमक भरक कर संरक्षित करने की विधि
   (घ) बहु–संवर्धन
   (ङ) कृषि प्रणाली के उद्देश्य
   (च) समेकित पोषण प्रबंधन

7. पशुधन टिकाऊ खेती का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस दृष्टि से पशुधनों को संक्रामक बीमारियों से बचाने की नीतियों पर चर्चा कीजिए।

8. अपने अनुभव के आधार पर टिकाऊ खेती में देशी तकनीकी ज्ञान की भूमिका/महत्व का उदाहरण सहित आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

9. किसानों की आय बढ़ाने के लिए मूल्य–संवर्धन महत्वपूर्ण है। मछुआरों की आजीविका में सुधार लाने हेतु मछली पालन में मूल्य–संवर्धन का विस्तार से वर्णन कीजिए।

* * * * *